भाषा कौशल

कक्षा - 3

भाषा कौशल–3

1. भाषा

क्रियाकलाप

17 भाषाओं में। देवनागरी, रोमन, गुरुमुखी, फ़ारसी लिपि आदि।

अभ्यास

1. (क) अंग्रेज़ी, हिंदी। (ख) अंग्रेज़ी, हिंदी। (ग) हिंदी, गुजराती (घ) मौखिक, (ङ) लिखित।
2. लिखकर, पढ़कर, सांकेतिक, मौखिक।
3. (क) ×, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ×
4. हिंदी–देवनागरी संस्कृत–देवनागरी
   उर्दू–फ़ारसी अंग्रेज़ी–रोमन
   पंजाबी–गुरुमुखी बंगाली–बाँग्ला
5. घोड़ा–हिन–हिन गधा–ढेंचू–ढेंचू
   बिल्ली–म्याऊँ–म्याऊँ तोता–टें–टें
   कबूतर–गुटरगूँ–गुटरगूँ गाय–बाँ–बाँ
   कौआ–काँ–काँ

2. वर्ण

क्रियाकलाप

2. **ड़–** पतझड़, कन्नड़, लड़ना।
   ढ़– पढ़ना, बढ़ना, कढ़ी।

अभ्यास

1. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ×, (घ) ✓, (ङ) ✓
2. अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।
3. अ, ऐ, उ, ऊ, औ, अं, ए, उ, आ, ई।
4. (क) (*i*), (ख) (*iii*), (ग) (*iv*)

3. स्वरों की मात्राएँ

अभ्यास

1. कला, नानी, तपो, बड़ा, नाची, कली, तनी।
2. जहाज़, डमरू, आसमान, कोयल, अध्यापक, महिला, मिठाई, तितली।
3. (क) डॉक्टर अस्पताल जा रहा है।
   (ख) लोग रेलगाड़ी में चढ़ रहे हैं।
   (ग) अध्यापिका बच्चों को पढ़ा रही है।
   (घ) बच्चे बगीचे में आँखमिचौनी खेल रहे हैं।
   (ङ) कोयल गा रही है।
4. (क) डाकघर में टिकट नहीं मिले।
   (ख) मदन पाठशाला जाता है।
   (ग) कोमल कलम से लिखती है।
   (घ) काजल रस्सी कूद रही है।
   (ङ) राधा मंदिर गई है।

4. संज्ञा

अभ्यास

1. (क) अमर, दिल्ली (ख) तोता, सेब
   (ग) कमल, पुस्तक (घ) श्रीकृष्ण
   (ङ) धोबी, गधा, नदी।
2. (क) पक्षी–कौआ, चिड़िया, कोयल।
   (ख) पशु–गाय, हाथी, बंदर।
   (ग) शहर–दिल्ली, पटना, मुंबई।
   (घ) व्यक्ति–राधा, मोहन, आशीष।
3. (क) (*i*), (ख) (*i*), (ग) (*iv*)
4. पेड़, पौधे, फूल, पक्षी, साइकिल, फ़ुटबॉल, बच्चा, खरगोश, तितली, बेंच।

5. लिंग

अभ्यास

1. पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, पुल्लिंग, पुल्लिंग, पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, पुल्लिंग, पुल्लिंग
2. (क) कुतिया, (ख) मोर, (ग) अध्यापिका, (घ) पंडिताइन, (ङ) बछड़ा।
3. (क) पुजारिन मंदिर में आरती कर रही है।
   (ख) छात्र प्रार्थना सभा में बैठा था।
   (ग) ग्वालिन गाएँ चरा रही है।
   (घ) ऊँची पहाड़ी पर बकरा घूम रहा है।
   (ङ) साँप बिल में रहता है।
4. (क) राम पुस्तक पढ़ता है।
   (ख) दशहरे पर माँ दुर्गा की पूजा होती है।
   (ग) यह बहुत पुराना पीपल का पेड़ है।
   (घ) कुत्ता सारा दूध पी गया।
   (ङ) यह मेरी पुस्तक है।
5. सुनार–सुनारिन, लुहार–लुहारिन, अध्यापिका–अध्यापक,

लड़की–लड़का, मुरगा–मुरगी।

6. वचन

1. **एकवचन–** पंखा, अलमारी, कौआ, सड़क, बच्चा, गाय, जलेबी।
   बहुवचन– कमीज़े, क्यारियाँ, चादरें, रुपये, ताले, स्त्रियाँ, घड़ियाँ।
2. (क) मक्खियाँ, (ख) फूल, (ग) हैं, (घ) तोते।
3. (क) पेंसिलें, (ख) पंखे, (ग) चश्मे, (घ) तोते।
4. बतखें, किताबें, मठरियाँ, तोता, पेंसिलें, कबूतर, तारा, रातें, सितार, कलम, तोपें।

एकवचन	बहुवचन
तोता	मठरियाँ
कबूतर	पेंसिलें
तारा	किताबें
सितार	बतखें
कलम	तोपें, रातें

7. सर्वनाम

1. (क) तुम, (ख) मैं, (ग) कौन, (घ) कुछ, (ङ) वे, (च) मुझे।
2. (क) वह, (ख) मुझे, (ग) हमें, (घ) आप, (ङ) हम।
3. (क) (*i*), (ख) (*i*), (ग) (*ii*)
4. मुझे–मुझे भूख लगी है।
   उन्होंने–उन्होंने मुझे बुलाया है।
   कोई–कोई आया है।
   अपने-आप–यह काम तो तुम अपने-आप भी कर सकते हो।
   क्या–यह क्या कह रहे हो?

8. विशेषण

1. पतला–मोटा, नीचा–ऊँचा, नई–पुरानी, कोमल–सख्त, खट्टा–मीठा, हलका–भारी
2. (क) मेरी अध्यापिका बहुत सुंदर है।
   (ख) वह बहुत ही परिश्रमी है।
   (ग) वह स्नेहमयी और दयावान है।
   (घ) मेरी भगवान से प्रार्थना है कि वे सदा स्वस्थ रहें और उनकी लंबी आयु हो।
3. (क) (*iii*), (ख) (*ii*), (ग) (*iii*)
4. ऊँचा–पर्वत, चंचल–लड़की, सफ़ेद–खरगोश, तीन मीटर–कपड़ा, बड़ा–मकान, परिश्रमी–किसान, समझदार–आदमी।

9. क्रिया

1. (क) देना, (ख) सुनना, (ग) पीना, (घ) पाना।
2. (क) पढ़ा रहे हैं, (ख) दे रहे हैं, (ग) खा रही है, (घ) उड़ा रही है, (ङ) हिल रहे हैं।
3. (क) बच्चों के लिए खेलना भी ज़रूरी है।
   (ख) राधा मीठा गाना गाती है।
   (ग) हमें बड़ों से आदर सहित बोलना चाहिए।
   (घ) हमें सुबह जल्दी उठना चाहिए।
   (ङ) सभा में पाँव की चौकड़ी मारकर बैठना चाहिए।
   (च) रात को सही समय पर सोना चाहिए।
4. (क) कूद रही है (ख) खा रहा है
   (ग) जा रही है (घ) चल रहा है

10. शुद्ध भाषा

1. (क) आकाश, (ख) संसार, (ग) कृष्ण, (घ) बाज़ार, (ङ) मछली, (च) बीमार।
2. (क) पुत्र, (ख) रुपया, (ग) पढ़ाई, (घ) स्कूल, (ङ) पड़ोसी।
3. फूल, प्रसन्न, समुंदर, पुरुष, प्रकट, किरण, ज्ञानी, रामायण, खिलौना।
4. (क) तुम्हारे दर्शन दुर्लभ है।
   (ख) मैंने खाना खा लिया है।
   (ग) मैंने आपकी पुस्तक नहीं ली।
   (घ) छुट्टियाँ हो गई हैं।
   (ङ) बच्चा बहुत देर से रो रहा है।
5. (क) क्योंकि, (ख) सामाजिक, (ग) अध्यापक, (घ) आविष्कार, (ङ) राष्ट्र।

11. विराम-चिह्न

1. प्रश्न चिह्न – ? पूर्ण विराम – ।
   अल्प विराम – , विस्मयादिबोधक – !
2. (क) (*ii*), (ख) (*iv*), (ग) (*ii*), (घ) (*iii*)
3. (क) पुस्तक में एक कहानी भी है।
   (ख) राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न दशरथ के पुत्र थे।
   (ग) हे राम! दया करो।
   (घ) आप इतनी जल्दी लौट आए?
   (ङ) दशहरे का त्योहार कब मनाया जाता है?

12. पर्यायवाची शब्द

1. (क) नृप, (ख) भ्राता, (ग) अनल, (घ) सिंधु, (ङ) सदन, (च) सायं।
2. (क) पर्वत (क) सिंह (क) राजा
   (ख) गिरि (ख) केसरी (ख) नृप
3. (ख) सरोवर में पंकज खिला हुआ है।
   (ग) हम स्वच्छ वायु में साँस लेते हैं।
   (घ) बालक सरिता के किनारे बैठा है।
   (ङ) सिंह जंगल का राजा होता है।

13. विलोम शब्द

1. (क) (*i*), (ख) (*i*), (ग) (*ii*)
2. अच्छाई–बुराई, हार–जीत, मीठा–कड़वा, सेवक–मालिक, सुगंध–दुर्गंध, पाप–पुण्य, गरमी–सरदी।
3. (क) हार, (ख) गरमियाँ, (ग) कायर, (घ) गरीब, (ङ) भारी।
4. (क) कायर, (ख) गंदा, (ग) झूठ, (घ) गरम, (ङ) आलसी।

14. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1. (क) भारतीय, (ख) देशभक्त, (ग) भाग्यशाली, (घ) डरपोक, (ङ) कामचोर।
2. (क) (*iv*), (ख) (*i*), (ग) (*iv*), (घ) (*iii*), (ङ) (*iii*)
3. (क) लिखने वाला
   (ख) वर्ष में एक बार होने वाला
   (ग) जो परिश्रम करता हो
   (घ) जो आलस करता हो
   (ङ) महीने में एक बार होने वाला

15. मुहावरे

1. खून खौलना, नौ दो ग्यारह होना।
2. आँखे दिखाना — कान भरना
   हाथ मलना — नाक-भौंह सिकोड़ना
   अँगूठा दिखाना — कमर-कसना
3. (1) (*iii*), (2) (*v*), (3) (*iv*), (4) (*ii*), (5) (*i*)
4. (क) राधा के कॉपी माँगने पर मीना ने अँगूठा दिखा दिया।
   (ख) मोहन तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।
   (ग) राकेश के परीक्षा में नंबर कम आने पर उसके पिताजी लाल-पीले होने लगे।
   (घ) पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गए।
   (ङ) सुषमा की सास हर समय अपने बेटे के कान भरती रहती है।

16. कैलेंडर और त्योहार

1. (1) (*ii*), (2) (*i*), (3) (*v*), (4) (*iii*), (5) (*vi*), (6) (*iv*)

17. गिनती

1. विद्यार्थी अध्याय में से देखकर स्वयं करें।

18. अपठित गद्यांश

1. (1) (क) (*i*), (ख) (*ii*), (ग) (*i*), (घ) (*ii*)
   (2) (क) बच्चे को अकेला पाकर शेर उसकी तरफ़ झपटा।
   (ख) तालाब के पास हाथियों के झुंड ने पानी पिया, स्नान किया।
2. (1) (क) (*ii*), (ख) (*ii*), (ग) (*iii*), (घ) (*ii*)
   (2) (क) गौरया, तोता, मोर।
   (ख) अपना बच्चा।

19. कहानी-लेखन

3. जंगल में एक कबूतर पकड़ने वाले का आना ---------- ---------- दाना डालकर जाल बिछाना ---------- कबूतरों का दाना चुगने आना ---------- जाल डालकर कबूतरों को पकड़ना ---------- तभी एक कबूतर को तरकीब सूझना ---------- सबका मिलकर जाल को लेकर उड़ जाना ---------- कबूतर के दोस्त चूहे द्वारा जाल को कूतरना ---------- सभी कबूतरों का उड़ जाना।

   शिक्षा–एकता में बल है।

4. एक हाथी था। उसका दोस्त एक दरज़ी था। दरज़ी रोज़ हाथी को केले खिलाता था। एक दिन दरज़ी नहीं था। हाथी आया तो दरज़ी के बेटे ने सुई चुभो दी। हाथी सूँड़ में पानी भर लाया। सारा पानी कपड़ों पर छिड़क दिया।

   शिक्षा–जैसा करोगे वैसा भरोगे।